केरल स्टेट वीमेन्स डेवलपमेंट कॉरपोरेशन

नाम	भाग्य श्री कोल्लम (सी.डी.एस.)
योजना का नाम	सूक्ष्य ऋण योजना
ऋण राशि	रू. 694688/-
वितरण की तिथि	20/01/2021
परियोजना	होटल

कुदुम्बश्री कोल्लम पूर्व में बहुत सारे उपसमूह हैं। भाग्य श्री नामक उपसमूहों में से एक एस.एच.जी. द्वारा गठित किया गया था जिसमें 10 महिलाएं शामिल थीं। कुडुम्बश्री कोल्लम इकाई में बहुत सारे सदस्य बेरोजगार थे और उनके पास बहुत से वित्तीय मुद्दे थे।

वे किसी भी आय सृजन गतिविधि में शामिल नहीं थे। स्व-रोजगार के लिए कुछ गतिविधि शुरू करने की आवश्यकता महसूस की गई ताकि उनके पास आय का एक नियमित स्रोत हो और वे अपने परिवार की सहायता कर सकें। उन्हें केरल राज्य महिला विकास निगम के एक विज्ञापन के माध्यम से समूहों और व्यक्तियों को आय पैदा करने वाली गतिविधियों के लिए ऋण योजनाओं के बारे में पता चला। एस.एच.जी. ने समूह ऋण योजना के तहत एक होटल शुरू करने के लिए वित्तीय सहायता के लिए केरल राज्य महिला विकास निगम से संपर्क किया। एन.बी.सी.एफ.डी.सी. की सूक्ष्म वित्त योजना के तहत रू.694688/- का ऋण स्वीकृत किया गया। वर्तमान में उनका होटल सफलतापूर्वक चल रहा है। अब वे अपना कारोबार बढ़ाने की योजना बना रहे हैं। उन महिलाओं के चेहरे पर मुस्कान दिखाई दे रही है और उनके परिवारों में भी फैल रही है क्योंकि परिवार की वित्तीय स्थिति में काफी सुधार हुआ है।

एस.एच.जी. समूहों के सदस्य खुश हैं और परिवार की सहायता के लिए केरल राज्य महिला विकास निगम और राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग वित्तीय और विकास निगम के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं।

REDMI NOTE 8 PRO
AI QUAD CAMERA

നിറവ് ജനകീയ ഹോട്ടൽ
ഊണ്
₹ 20/-
REDMI NOTE 8 PRO

REDMI NOTE 8 PRO
AI QUAD CAMERA

केरल स्टेट वीमेन्स डेवलपमेंट कॉरपोरेशन

Kerala State Women's Development Corporation

नाम	थानल (कोल्लम पूर्व सी.डी.एस.)
योजना का नाम	सूक्ष्म ऋण योजना
ऋण राशि	रू. 950000/-
वितरण की तिथि	09/12/2020
परियोजना	बेकरी

कुदुम्बश्री कोल्लम पूर्व में बहुत सारे उपसमूह हैं। थानल नामक उपसमूहों में से एक एस.एच.जी. द्वारा बनाया गया था जिसमें 10 महिलाएं शामिल थीं। थानल समूह में बहुत से सदस्य ऐसे थे जो बेरोजगार थे और आर्थिक संकट का सामना कर रहे थे। वे किसी भी आय सृजन गतिविधि में शामिल नहीं थे। वे कुछ स्वरोजगार व्यवसाय शुरू करना चाहते थे ताकि उनके पास आय का एक नियमित स्रोत हो और वे अपने परिवार की सहायता कर सकें। तब उन्हें विज्ञापन से केरल राज्य महिला विकास निगम, त्रिवेंद्रम समूह ऋण योजना के बारे में पता चला। एस.एच.जी. ने समूह ऋण योजना के तहत एक बेकरी इकाई शुरू करने के लिए वित्तीय सहायता के लिए केरल राज्य महिला विकास निगम से संपर्क किया। एन.बी.सी.एफ.डी.सी. सूक्ष्म वित्त योजना के तहत रू. 9,50,000/- के ऋण के लिए उनके अनुरोध को स्वीकार कर लिया गया। वर्तमान में उनकी बेकरी सफलतापूर्वक चल रही है। अब वे नए-नए आइटम पेश कर अपने कारोबार को बढ़ाने की योजना बना रहे हैं। थानल एस.एच.जी. के सदस्य खुश हैं क्योंकि उन्हें थोक में ऑर्डर मिल रहे है और अच्छी आय हो रही है।

एस.एच.जी. समूहों के सदस्य खुश हैं और केरल राज्य महिला विकास निगम और राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग वित्त एवं विकास निगम के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हैं।

थानल समूह के सदस्यों का विवरण

क्र.सं.	नाम	जन्म तिथि	वित्तीयन की तिथि	धनराशि	परियोजना
1	सुनीथा	01/07/1972	21/12/2020	95000	बेकरी
2	माया देवी	16/03/1979	21/12/2020	95000	बेकरी

3	अनिला कुमारी	25/05/1969	21/12/2020	95000	बेकरी
4	अनीथा	20/05/1978	21/12/2020	95000	बेकरी
5	विजी थम्पी	07/12/1989	21/12/2020	95000	बेकरी
6	सीमा	08/02/1976	21/12/2020	95000	बेकरी
7	सुनी	28/04/1973	21/12/2020	95000	बेकरी
8	शैलजा	30/05/1968	21/12/2020	95000	बेकरी
9	अंजू	12/10/1978	21/12/2020	95000	बेकरी
10	शीजा	20/04/1975	21/12/2020	95000	बेकरी

केरल स्टेट बैकवर्ड क्लासेज़ फाइनेन्स डेवलपमेंट कॉरपोरेशन

नाम	अपर्णा केपी
योजना का नाम	सावधि ऋण
ऋण राशि	रू. 10,00,000/-
वितरण तिथि	30/04/2021
परियोजना	सिलाई यूनिट

मैं अपर्णा केपी पुत्री श्री प्रसन्नन केजी, केरल के पठानमथिट्टा जिले की मूल निवासी हूं, बचपन से ही फैशन डिजाइनिंग और कपड़ा बनाने में गहरी दिलचस्पी थी और जब मैं बड़ी हुई तो अपने इलाके में अपनी दुकान खोलने की इच्छा थी।

अपने उच्च माध्यमिक अध्ययन के बाद मैंने धीरे-धीरे अपने जुनून को अपने करियर के रूप में आगे बढ़ाना शुरू कर दिया। मैं कपड़े सिलती थी और सीधे ग्राहकों को उनकी जरूरत के अनुसार देती थी। अपने दिल की गहराई में मैं हमेशा एक कपड़ा दुकान का मालिक होने और अपने सिलाई व्यवसाय को और आगे बढ़ाने का सपना देखती थी। लेकिन मैं चिंतित थी क्योंकि मेरे पास अपने सपने को पूरा करने के लिए पर्याप्त पैसे नहीं थे।

एक दिन एक पड़ोसी से मुझे के.एस.बी.डी.सी.सी. के बारे में पता चला, जो एन.बी.सी.एफ.डी.सी. की एक राज्य चैनलाइजिंग एजेंसी है, जो पिछड़े समुदाय के लोगों को कम ब्याज दर पर स्व-रोजगार ऋण प्रदान करती है और मैंने पठानमथिट्टा में इसके जिला कार्यालय से संपर्क करने का फैसला किया। मैंने प्रबंधक के साथ अपने ड्रीम प्रोजेक्ट के बारे में चर्चा की और उसने कहा कि मेरे द्वारा सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने के बाद वह सहायता प्रदान कर सकते है। मुझे रू. 10,00,000/- की ऋण राशि स्वीकृत की गई थी, जिससे मैं एक कपड़ा दुकान और एक सिलाई यूनिट शुरू कर सकती थी। मैंने और अधिक सिलाई मशीन और कपड़ा सामग्री खरीदकर अपने व्यवसाय का विस्तार किया।

मैं अब अपने इलाके की जरूरतों को पूरा करने में सक्षम हूं और अच्छी आजीविका भी कमा रही हूं। मैं प्रति माह लगभग रू. 20,000/- कमाती हूं। मैं अपनी किश्तों का भुगतान करने के साथ-साथ अपने परिवार की वित्तीय जरूरतों को भी करती हूं। 24 साल की उम्र में मैं वित्तीय रूप से सशक्त हो गई हूँ जो के.एस.बी.डी.सी.सी. और एन.बी.सी.एफ.डी.सी. की मदद के बिना संभव नहीं होता। मैं और मेरा परिवार दोनों संस्थाओं का सदैव आभारी रहेगा।

Ph: 9745046246

केरल स्टेट बैकवर्ड क्लासेज़ फाइनेन्स डेवलपमेंट कॉरपोरेशन

नाम	निथीश केवी
योजना का नाम	शैक्षिक ऋण योजना
ऋण राशि	रू. 3,00,000/-
वितरण तिथि	04/07/2015

मैं, निथीश केवी, पुत्र विजयन केवी केरल के पठानमथिट्टा जिले के एक मध्यम वर्ग के पिछड़े समुदाय से हूँ। मैं हमेशा विशाल संरचनाओं और इमारतों से मोहित होता था और जब मैं बड़ा हुआ तो मैं निर्माण क्षेत्र में कार्य करना चाहता था। अपनी बारहवीं की शिक्षा के बाद मैं एक सिविल इंजीनियर के रूप में अपना कैरियर बनाने के लिए इंजीनियरिंग में जाना चाहता था। लेकिन मुझे पता था कि मेरा परिवार मेरी फीस और सारा खर्च एक साथ नहीं उठा सकता। मैंने कुछ बैंकों से संपर्क किया लेकिन पता चला कि वे बहुत अधिक ब्याज दरों पर ऋण देते हैं। मैं निराश हो गया और मैंने अपना सपना छोड़ देने की सोची। तब मुझे एक मित्र के माध्यम से NBCFDC के SCA के बारे में पता चला, जिसका नाम KSBCDC है, जो देश और विदेश में अध्ययन के लिए बहुत कम ब्याज दर पर शैक्षिक ऋण प्रदान करता है। बिना अधिक समय बर्बाद किए मैंने कार्यालय से संपर्क किया और ऋण के लिए आवेदन किया। मेरा ऋण शीघ्र ही मंजूर हो गया और मैं अपने इच्छित पाठ्यक्रम में शामिल होने में सक्षम हो गया।

स्नातक की पढ़ाई पूरी करने के बाद मुझे त्रिवेंद्रम शहर की एक निजी विनिर्माण कंपनी में साइट इंजीनियर की नौकरी मिल गई। मुझे रु. 15,000/- प्रति माह का बहुत अच्छा वेतन मिल रहा है।

मैं अब अपने परिवार की वित्तीय जरूरतों में योगदान करने में सक्षम हूं। मैं और मेरा परिवार हमेशा एन.बी.सी.एफ.डी.सी. और इसकी राज्य चैनलाइजिंग एजेंसी, के.एस.बी.डी.सी.सी. के आभारी रहेंगे।

केरल स्टेट बैकवर्ड क्लासेज़ फाइनेन्स डेवलपमेंट कॉरपोरेशन

नाम	अमरूथमोल पीवी
योजना का नाम	शैक्षिक ऋण योजना
ऋण राशि	रू. 1,00,000/-
वितरण तिथि	18/07/2019

मैं अमरूथमोल पीवी, पुत्री श्री बीजूकुमार पीएस, पठानमथिट्टा जिले के थन्नीथोड के मूल निवासी हैं। अपनी बारहवीं की शिक्षा के दौरान मेरी इच्छा थी कि मैं नर्सिंग कोर्स में शामिल होऊं ताकि मुझे मानव जाति की सेवा करने का अवसर मिले। हालांकि, मुझे इस बात की भी उतनी ही चिंता थी कि मेरे पिता मेरी पढ़ाई के लिए फीस का इंतजाम कैसे कर सकते हैं। मैंने कड़ी मेहनत से पढ़ाई की और अपनी उच्च माध्यमिक शिक्षा पास की। मैंने अपने परिवार को अपने सपने के बारे में बताया और हम इसे कैसे पूरा कर पाएंगे। मेरे पिता ने मुझे बताया कि उन्हें अखबार से पता चला था कि NBCFDC की स्टेट चैनलाइजिंग एजेंसी KSBCDC बहुत कम ब्याज दर पर शिक्षा ऋण योजना के अंतर्गत ऋण प्रदान कर रही है।

मैं और मेरे पिता ने मिलकर पठानमथिट्टा में KSBCDC कार्यालय से संपर्क किया और शिक्षा ऋण के लिए आवेदन किया। मुझे ऋण के रूप में रू. 1,00,000/- स्वीकृत किए गए थे। मुझे पाठ्यक्रम में प्रवेश मिला और अपना पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद मैं एक निजी अस्पताल में नर्स के रूप में कार्य कर सकी। मुझे वेतन के रूप में हर महीने लगभग रू. 15,000/- मिलते हैं। मुझे बहुत खुशी है कि मैंने मानव सेवा करने के अपने सपने को पूरा किया है और साथ ही मैं अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने में सक्षम हो सकी हूं।

मेरे सपने को साकार करने व मेरी मदद करने के लिए KSBCDC और NBCFDC के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करती हूं। मैं अपने सभी दोस्तों और परिवार को, जो अपने सपनों को पूरा करना चाहते हैं, को NBCFDC के लिए संस्तुति करती हूं।

केरल स्टेट बैकवर्ड क्लासेज़ फाइनेन्स डेवलपमेंट कॉरपोरेशन

नाम	शशिलथा एस.
योजना का नाम	नई स्वर्णिमा
ऋण राशि	रू.1,00,000/-
वितरण तिथि	23/03/2021
परियोजना	बेकरी की दुकान

मैं शशिलथा एस पत्नी श्री रमेश केआर, उम्र 34 वर्ष, केरल के पठानमथिट्टा जिले के ओमल्लूर की रहने वाली हूँ। मुझे अपने परिवार और दोस्तों के लिए बेकिंग बहुत पसंद थी। लेकिन मैंने कभी केक बेकिंग को बिजनेस में बदलने के बारे में नहीं सोचा था। मैं सिर्फ अपने बच्चों के लिए और कुछ विशेष पारिवारिक समारोहों के लिए केक बनाना चाहती थी। एक दिन मेरे एक मित्र ने मुझसे पूछा कि मैं इसे आय अर्जित करने वाली गतिविधि में क्यों नहीं प्रयोग कर सकती, और तब मैंने उसे कोई दूसरा विचार देने के लिए कहा। जब मैं इस बारे में सोच रही थी कि मैं शुरुआती खर्चों को कैसे पूरा कर सकती हूं, तो मेरे पति ने मुझसे पूछा कि NBCFDC के SCA, KSBCDC से स्वरोजगार ऋण कैसे लिया जाए, का पता किया जाए।

इसके बाद मैं KSBCDC के पठानमथिट्टा कार्यालय से संपर्क किया और मुझे रू.1,00,000/- की ऋण राशि मंजूर की गई। मैंने उस राशि से केक बेकिंग ओवन, ट्रे, पेपर, सामग्री आदि खरीदी। मेरी दुकान उन ग्राहकों को केक बेकिंग आपूर्ति भी प्रदान करती है जो बेकिंग में रुचि रखते हैं। अब मुझे शहर के विभिन्न हिस्सों से दिन के अधिकांश समय ऑर्डर मिलते हैं और बहुत से लोग अपनी जरूरतों के लिए बेकिंग भी खरीदने आते हैं। मैं सभी खर्चों को पूरा करने के बाद प्रति माह औसतन रू.25000/- कमा लेती हूँ।

मुझे लगता है कि कोई भी महिला व्यवसाय शुरू कर सकती है अगर उसके पास मजबूत जुनून और वित्तीय सहायता हो। मेरे सपने को पूरा करने व मेरी मदद करने के लिए मैं NBCFDC और KSBCDC की बहुत आभारी हूं।

All type Baking Ma
& Homemade Ca
8075 971 302, 8848 122
All type Baking Materials
OPPO F17 Pro

Dreamzz
Baking Villa
All type Baking Materials & Homemade Cakes

OPPO F17 Pro

केरल स्टेट बैकवर्ड क्लासेज़ फाइनेन्स डेवलपमेंट कॉरपोरेशन

नाम	कीर्थि कुडुम्बश्री
योजना का नाम	सूक्ष्म ऋण योजना
ऋण राशि	रू. 2,40,000/-
वितरण तिथि	27/02/2019
परियोजना	कपड़े के थैले

हम, केरल के पठानमथिट्टा जिले के मल्लापुझास्सेरी पंचायत में रहने वाली पांच समान विचारधारा वाली महिलाओं का एक समूह कुछ आय पैदा करने वाली गतिविधि करना चाहते थे, जिसमें हम रुचि रखते हैं। हमने एक कपड़ा बैग बनाने का उद्यम शुरू करने के बारे में सोचा क्योंकि हमारा राज्य प्लास्टिक मुक्त वातावरण का लक्ष्य बना रहा है। हमने कपड़े के थैले बनाने का प्रशिक्षण लिया। हमारे सीडीएस अध्यक्ष से हमें एनबीसीएफडीसी की माइक्रोक्रेडिट योजना के बारे में पता चला और हमें 2,40,000/- रुपये की ऋण राशि मंजूर की गई।

हमने बैग बनाने के लिए आवश्यक विभिन्न प्रकार के कपड़े और अन्य सामान खरीदे। हमें कपड़े की थैलियों के लिए गहनों, कपड़ा दुकानों और विभिन्न अन्य व्यवसायों से थोक ऑर्डर मिले। हम मास्क, नाइटी, ड्रेस भी बनाते हैं और उन्हें स्थानीय बाजार में बेचते हैं। इन ऑर्डर्स से हमें जो पैसा मिलता है, उससे हमने और मशीनें जोड़ी हैं और हम दो और अंशकालिक दर्जी नियुक्त करते हैं। हमने जूट के अलावा दूसरे फैब्रिक्स के साथ भी एक्सपेरिमेंट किया है।

अब हम आर्थिक रूप से स्थिर हैं और हमने आर्थिक स्वतंत्रता हासिल कर ली है। हम अन्य सभी खर्चों के बाद औसतन 45000/- रुपये की बचत करने में सक्षम हैं। हम महिलाओं के वित्तीय सशक्तिकरण के लिए एनबीसीएफडीसी और केएसबीडीसीसी के बहुत आभारी हैं।

കീർത്തി ബാഗ്സ്
(ഒരു കുടുംബശ്രീ സംരംഭം)
Reg. No.PT/30/X111/2
PH:9544230707,9447381673
കോട്ടൻ,ജ്യൂട്ട്,പേപ്പർ,ബാഗ്സ്
ഫയലുകളും ചെയ്തു കൊടുക്കും
മാസ്ക്,നൈറ്റികൾ തയ്ച്ചു കൊടുക്കപ്പെടും

केरल स्टेट बैकवर्ड क्लासेज़ फाइनेन्स डेवलपमेंट कॉरपोरेशन

नाम	अंसवारा कुडुम्बश्री
योजना का नाम	महिला समृद्धि योजना
ऋण राशि	रू. 5,00,000/-
वितरण तिथि	16/01/2018
परियोजना	जनरल स्टोर

हम पठानमथिट्टा जिले में मल्लापुझास्सेरी पंचायत के अंसवारा एस.एच.जी. के सदस्यों को हमारे सी.डी.एस. अधिकारियों के माध्यम से एन.बी.सी.एफ.डी.सी. की महिला समृद्धि योजना के बारे में पता चला जो इसके एस.सी.ए. के.एस.बी.सी.डी.सी. के माध्यम से प्रदान की जाती है जो बहुत कम ब्याज दर पर ऋण प्रदान करते है। हमारे समूह के चार सदस्य समान रुचि वाले एक साथ आए और कुछ छोटे व्यवसाय शुरू करने के लिए ऋण के लिए आवेदन करने का फैसला किया जो हम कर सकते हैं। हमें रू. 5,00,000/- की ऋण राशि मंजूर की गई और हमने इसे अपनी दुकान में निवेश कर दिया। हमारी दुकान स्टेशनरी आइटम, बेकरी आइटम, चाय और नाश्ता और कपड़े और जूते की सेवाएं भी प्रदान करती है। एक ही छत के नीचे अपने घर की जरूरत का सारा सामान मिल सकता है। हम एक अच्छा लाभ कमाने में सक्षम हैं और प्रति व्यक्ति प्रति माह लगभग रू.10,000/- कमा सकते हैं।

हम स्व-आश्रित महसूस करते हैं और हमें बहुत गर्व है कि हम अपने परिवारों और अपने बच्चों की शिक्षा में योगदान दे सकते हैं। हम महिलाओं के वित्तीय सशक्तीकरण के लिए एन.बी.सी.एफ.डी.सी. और के.एस.बी.डी.सी. के बहुत आभारी हैं।

केरल स्टेट को-आपरेटिव फेडरेशन फॉर फिशरीज डेवलपमेंट लि. (मत्स्यफेड)

नाम	उशुस
योजना का नाम	सूक्ष्म ऋण योजना
ऋण राशि	रू. 12,15,000/-
परियोजना	पुष्प उत्पादन

उशुस महिला स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) को मलिपुरम फिशरमेन डेवलपमेंट वेलफेयर को-ऑपरेटिव सोसाइटी, जिला - एर्नाकुलम, केरल में वर्ष 2008 में पंजीकृत किया गया था। हमारे कार्य समूह में सात सदस्य हैं। हमारे समूह ने 2016 में पुष्प उत्पादन (जैस्मीन फ्लावर) की शुरुआत की थी। पुष्प उत्पादन के अलावा हम सब्जी की खेती भी करते हैं। मत्स्यफेड द्वारा आयोजित जागरूकता कार्यक्रम के माध्यम से हमें एन.बी.सी.एफ.डी.सी. योजनाओं के बारे में पता चला। हमें बहुत कम ब्याज दर पर ऋण राशि प्राप्त हुई। कुल मिलाकर, हमने एन.बी.सी.एफ.डी.सी. की सूक्ष्म ऋण योजना में मत्स्यफेड से रू.12.15 लाख का ऋण प्राप्त हुआ। हाल ही में हमने 5 सदस्यों के लिए रू.2.50 लाख का एन.बी.सी.एफ.डी.सी. माइक्रो फाइनेंस ऋण लिया है। एक सूक्ष्म वित्त इकाई के रूप में हमारे उद्यम ने समूह के सदस्यों के जीवन की स्थिति और गुणवत्ता में सुधार करने में बहुत मदद की। एस.एच.जी. के सदस्यों के बीच सहयोग भी हमारी सफलता में एक प्रमुख भूमिका निभाता है। हमारे कार्य समूह की चुकौती स्थिति 100 प्रतिशत है। हम प्रति वर्ष आय के रूप में रू.2.00 लाख कमाते हैं, जबकि ऋण लेने से पहले आय रू.1.25 लाख प्रति वर्ष थी। हम अधिक लाभ कमाते हैं और हम समृद्ध हो रहे हैं। अब हम भविष्य के लिए पैसे बचाने और अपने घर के काम भी चलाने में सक्षम हैं।

हम व्यवहार्य ब्याज दर पर ऋण देने के लिए एन.बी.सी.एफ.डी.सी. और मत्स्यफेड के बहुत आभारी हैं।

पंजाब पिछड़ा वर्ग भूमि विकास और वित्त निगम (बैकफिन्को)

नाम	बलवीर सिंह
योजना का नाम	सावधि ऋण
ऋण राशि	रू. 1,90,000/-
वितरण तिथि	18/11/2019
परियोजना	वीडियोग्राफी एवं फोटोग्राफी

मैं बलवीर सिंह पुत्र श्री गुरदयाल सिंह निवासी न्यू जनता नगर लुधियाना का रहने वाला हूँ । मैं कश्यप राजपूत जाति से ताल्लुक रखता हूं जो कि पिछड़े वर्ग से संबंधित है। मैं कर्ज लेने से पहले एक फोटोग्राफी की दुकान चलाता था, और चूंकि मेरे पास वीडियो कैमरा नहीं था, इसलिए मैं दूसरे दुकानदार से कैमरा किराए पर लेता था और वीडियोग्राफी का काम करता था। इससे मेरे परिवार के लिए गुजारा चलाने में बहुत मुश्किल होती थी ।

मुझे हमारे वार्ड के महत्वपूर्ण लोगों से पता चला कि बैकफिन्को की ओर से एन.बी.सी.एफ.डी.सी.नई दिल्ली के सहयोग से चलाई जा रही योजनाओं के तहत पिछड़े वर्ग के व्यक्तियों को सस्ते ब्याज दरों पर स्वरोजगार योजनाओं के तहत अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए लोन दिया जाता है। मुझे जिला लुधियाना के फील्ड स्टाफ से भी योजनाओं के बारे में जानकारी मिली और मेरी भी एन.बी.सी.एफ.डी.सी. योजना के तहत लोन लेकर वीडियोग्राफी व्यवसाय शुरू करने की ख्वाहिश हुई । मैंने बैकफिन्को, लुधियाना के जिला स्तरीय कार्यालय से संपर्क किया। फील्ड अफसर ने मुझे ऋण लेने की विधि के बारे में विस्तार सहित बताया। मेरे द्वारा वीडियोग्राफी का काम शुरू करने के लिए ऋण लेने हेतु आवेदन पत्र भरा गया और सारे जरुरी कागजात दिए गए। निगम द्वारा मुझे एन.बी.सी.एफ.डी.सी.नई दिल्ली के सहयोग से दिनांक 18.11.2019को 1,90,000/-रूपये के ऋण कीराशि प्राप्त हुई । इस राशि से मैंने वीडियोग्राफी का काम करना शुरू किया और मैं आत्मनिर्भर हो गया।

बैकफिन्को से ऋण लेने से पहले वीडियोग्राफी के काम से मेरी आमदनी 15,000/-रुपये प्रति माह थी और लोन मिलने के बाद मेरी आमदनी दोगुनी होकर लगभग 30,000/- रुपये हो गई है। इस प्रकार मेरी आर्थिक स्थिति में सुधार के साथ, मेरी जीवनशैली भी बदल गई है और मेरा सामाजिक स्तर भी ऊंचा हो गया है। मैं अपने ऋण की किश्त भी समय पर चुका रहा हूं।मैं बैकफिन्को और एन.बी.सी.एफ.डी.सी का सदा आभारी रहूँगा।

पंजाब पिछड़ा वर्ग भूमि विकास और वित्त निगम (बैकफिन्को)

नाम	मेजर सिंह
योजना का नाम	सावधि ऋण
ऋण राशि	रू. 95,000/-
वितरण तिथि	24/09/2019
परियोजना	हार्डवेयर स्टोर (सैनिटेरी, बिल्डिंग मैटेरियल, आयरन इत्यादि)

मैं मेजर सिंह पुत्र श्री चंद सिंह निवासी गुरु तेग बहादुर नगर, तारा पैलेस के पीछे, फरीदकोट का रहने वाला हूं। मैं खाती जाति से ताल्लुक रखता हूं जो कि पिछड़े वर्ग से संबंधित है। ऋण लेने से पहले, मैं दैनिक आधार पर एक राजमिस्त्री के रूप में काम करता था, जिससे मेरे परिवार का गुजारा मुश्किल हो गया था।

हमारे शहर में एक रोजगार मेला आयोजित किया गया, जिसमें बैकफिन्को ने एन.बी.सी.एफ.डी.सी. के सहयोग से पिछड़े वर्ग के लोगों के लिए सस्ती ब्याज दरों पर स्वरोजगार योजनाओं के तहत व्यवसाय शुरू करने के लिए ऋण सूचना हेतु स्टॉल लगाया हुआ था। जिनसे मुझे पिछड़ा वर्ग के लिए एन.बी.सी.एफ.डी.सी. स्कीम के तहत चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी मिली। मैं भी चाहता था कि इस योजना के तहत मैं हार्डवेयर स्टोर (भवन निर्माण सामग्री आदि) व्यवसाय शुरू करने के लिए ऋण लूं। मैंने बैकफिनको, फरीदकोट के जिला स्तरीय कार्यालय से संपर्क किया। फील्ड अफसर ने मुझे ऋण लेने की विधि के बारे में विस्तार सहित बताया। मेरे दवारा हार्डवेयर स्टोर (भवन निर्माण सामग्री आदि) का काम शुरू करने के लिए ऋण लेने हेतु आवेदन पत्र भरा गया और सारे जरुरी कागजात दिए गए। निगम दवारा मुझे एन.बी.सी.एफ.डी.सी नई दिल्ली के सहयोग से दिनांक 24.09.2019 को 95,000/- रुपये का ऋण मिला। उसके बाद मैंने हार्डवेयर स्टोर (बिल्डिंग मैटेरियल जैसे रेत, बजरी, ईंट आदि) का काम करना शुरू किया और मेरा काम चल गया।

हार्डवेयर स्टोर (भवन निर्माण सामग्री आदि) का काम ऋण के साथ शुरू करने से पहले मेरी आमदनी 10,000 /- रुपये प्रतिमाह थी और ऋण मिलने के बाद मेरी आमदनी दुगनी होकर लगभग 20,000 /- रुपये हो गई है। जैसे-जैसे मेरी अर्थव्यवस्था में सुधार हुआ, मेरी जीवनशैली में बदलाव आया और मेरा सामाजिक स्तर भी बढ़ा है। मैं अपने कर्ज की किश्त भी समय पर चुका रहा हूं और अपने परिवार का ठीक से पालन-पोषण कर रहा हूं। मैं बैकफिन्को और एन.बी.सी.एफ.डी.सी का सदा आभारी रहूँगा।

ਖੀਵਾ
ਬਿਲਡਿੰਗ ਮਟੀਰੀਅਲ

ਖੀਵਾ
ਬਿਲਡਿੰਗ ਮਟੀਰੀਅਲ

पंजाब पिछड़ा वर्ग भूमि विकास और वित्त निगम (बैकफिन्को)

नाम	जगतार सिंह
योजना का नाम	सावधि ऋण
ऋण राशि	रू. 85,500/-
वितरण तिथि	04/02/2020
परियोजना	कारपेन्टर शॉप

मै जगतार सिंह पुत्र मोह्न सिंह ,वासी गांव भदलथुआ, पोस्ट आफिस अमलोह तहसील एवंम जिला फतिहगड़ साहिब का रहने वाला हूँ। मै लुहार जाति से सम्बन्ध रखता हूँ, जो कि पंजाब सरकार द्वारा पिछड़ी जाति घोषित की गयी है । मै पहले किसी तरखान की दुकान पर काम करता था। इस के एवज में मुझे मालिक की तरफ से 8000/- रूपये मासिक मेहताना दिया जाता था। सारा दिन अथक परिश्रम करने के बाद भी मेरी इस कमाई से मेरे परिवार का पालन पोषण करना बहुत कठिन था। मेरे गांव के कुछ लोगो ने मुझे बैकफिंको दवारा ऋण दिए जाने की स्कीमों के बारे में जानकारी दी। इस उपरान्त मेरे द्वारा बैकफिंको के फील्ड अफसर के साथ सम्पर्क किया गया। फील्ड अफसर ने मुझे ऋण लेने की विधि के बारे में विस्तार सहित बताया गया। मेरे दवारा ऋण लेने के लिए सारे जरुरी कागजात दिए गए। निगम द्वारा मुझे राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग वित्त एवं विकास निगम,नई दिल्ली के सहयोग से दिनांक 04/02/2020 को 85500/-रूपये ऋण की अदायगी की गयी। इस राशि से मैंने ड्रिल मशीन, रंदा मशीन, लकड़ी आदि की खरीद करके अपने गांव भदलथुआ में कारपेंटरी के काम की शुरुआत की। मेरा कारपेंटरी का काम चल निकला है। अब मेरे को सारे खर्चे आदि निकाल कर 17000/- (सत्रह हजार रुपए) की बचत हो जाती है। इस प्रकार मैं अपने परिवार का पालन पोषण सही से कर रहा हूँ। मैं बैकफिंको और राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग वित्त एवं विकास निगम,नई दिल्ली का बहुत आभारी हूँ।

गुजरात बैकवर्ड क्लासेज़ डेवलपमेंट कॉरपोरेशन

नाम	भूमिका
योजना का नाम	शैक्षिक ऋण योजना
ऋण राशि	रू. 1,72,000/-
परियोजना	नर्सिंग

मैं, भूमिका पांचाल पुत्र श्री मुकेशभाई पांचाल जिला-दाहोद, गुजरात का निवासी हूं। । मैं पिछड़े वर्ग की पांचाल (लुहार) जाति से हूं। मैं बहुत गरीब परिवार से थी। मुझे बी.एस.सी.(नर्सिंग)पाठ्यक्रम के लिए चुना गया था लेकिन कमजोर वित्तीय स्थिति के कारण मैं प्रवेश लेने में असमर्थ थी। मुझे एन.बी.सी.एफ.डी.सी. की शिक्षा ऋण योजना के बारे में पता चला जिसे गुजरात पिछड़ा वर्ग विकास निगम (जी.बी.सी.डी.सी.) द्वारा समाचार पत्र में एक विज्ञापन के माध्यम से लागू किया जा रहा था। मैं अपनी पढ़ाई के लिए ऋण लेना चाहती थी। फिर मैंने जी.बी.सी.डी.सी. के कार्यालय से संपर्क किया और ऋण के लिए आवेदन किया। मुझे बी.एस.सी.(नर्सिंग)पूरा करने के लिए रू.1,72,000 का ऋण दिया गया था।

अभी मैं गुजरात सरकार के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र वलसाड, गुजरात में कार्यरत हूँ। मैं रू.32,000/- प्रति माह कमा रही हूँ। अब मैं भविष्य के लिए पैसे बचाने में सक्षम हूं। मैं एन.बी.सी.एफ.डी.सी. और जी.बी.सी.डी.सी. को तहे दिल से धन्यवाद देती हूँ।

गुजरात बैकवर्ड क्लासेज़ डेवलपमेंट कॉरपोरेशन

नाम	भाविन बगथरिया
योजना का नाम	शैक्षिक ऋण योजना
ऋण राशि	रू. 1,80,000/-
परियोजना	इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग

मैं, भाविन बगथरिया पुत्र श्री शशिकांतभाई बगथरिया ग्राम- कोलिथाड, ताल गोंडल, जिला राजकोट, गुजरात का निवासी हूँ। मैं पिछड़े वर्ग की नाई (वालैंड)जाति से हूँ। मेरा परिवार आर्थिक रूप से मजबूत नहीं था। मेरा इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग कोर्स के लिए चयन हो गया था लेकिन पैसे की कमी के कारण मैं प्रवेश नहीं ले सका।

मुझे एन.बी.सी.एफ.डी.सी. की शिक्षा ऋण योजना के बारे में एक विज्ञापन के माध्यम से पता चला, जिसे गुजरात पिछड़ा वर्ग विकास निगम (जी.बी.सी.डी.सी.) द्वारा संचालित किया जा रहा है। मैं अपनी पढ़ाई के लिए ऋण लेना चाहता था। फिर मैंने जी.बी.सी.डी.सी. कार्यालय से संपर्क किया और ऋण के लिए आवेदन किया। मुझे इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में अपनी पढ़ाई पूरी करने के लिए रू.1,80,000 की राशि दी गई थी।

मैं वर्तमान में मेक इंटेल टेक्नोलॉजी कंपनी प्राइवेट लिमिटेड, अहमदाबाद, गुजरात में काम कर रहा हूं। मैं रू.33,000/- प्रति माह कमा रहा हूं। अब मैं आर्थिक रूप से स्थिर हूं और भविष्य के लिए पैसे बचाने में सक्षम हूं। मुझे इतनी मूल्यवान सहायता प्रदान करने के लिए मैं एन.बी.सी.एफ.डी.सी. और जी.बी.सी.डी.सी. का तहे दिल से धन्यवाद करता हूं।

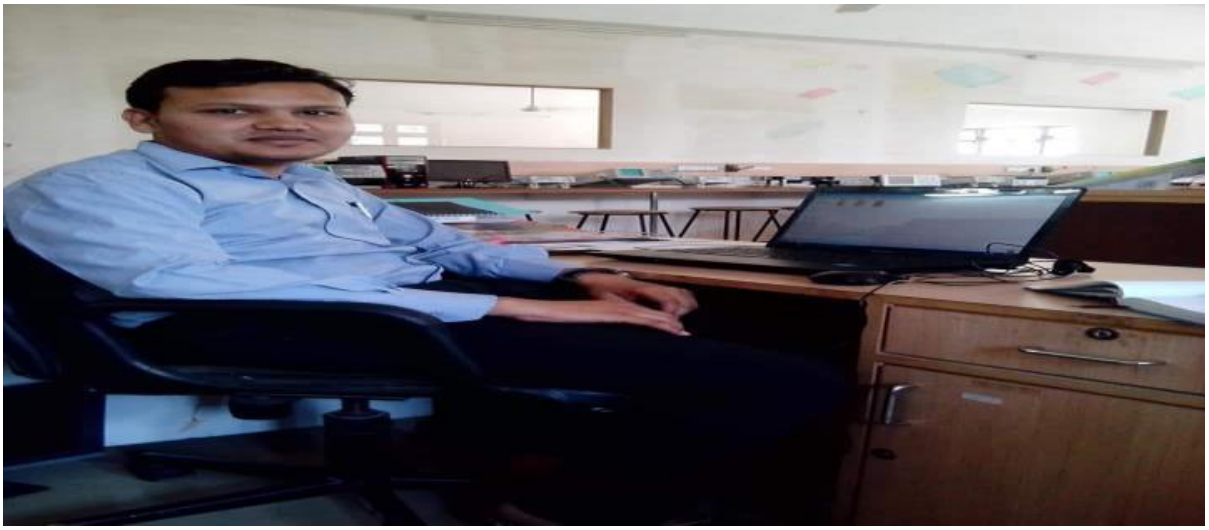

गुजरात बैकवर्ड क्लासेज़ डेवलपमेंट कॉरपोरेशन

नाम	सूरज अहिर
योजना का नाम	शिक्षा ऋण योजना
ऋण राशि	रू. 2,46,000/-
परियोजना	कम्प्यूटर इंजीनियरिंग

मैं सूरज अहीर पुत्र श्री छगनभाई अहीर निवासी ग्राम- सूरत, जिला सूरत, गुजरात का निवासी हूँ। मैं पिछड़े वर्ग की अहीर जाति का हूं। मेरे परिवार के पास मेरी शिक्षा हेतु सहायता करने के लिए बहुत सीमित साधन थे। मेरा कंप्यूटर इंजीनियरिंग कोर्स के लिए चयन हो गया था लेकिन कमजोर आर्थिक स्थिति के कारण मैं प्रवेश नहीं ले सका। मुझे एन.बी.सी.एफ.डी.सी. की शिक्षा ऋण योजना के बारे में पता चला और मैं अपनी पढ़ाई के लिए ऋण लेना चाहता था। फिर मैंने जी.बी.सी.डी.सी. के कार्यालय से संपर्क किया और ऋण के लिए आवेदन किया। मुझे अपना कंप्यूटर इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम पूरा करने के लिए रु 2,46,000/- की राशि दी गई थी।

मैं वर्तमान में सूरत, गुजरात में अपनी खुद की कंपनी, टपल एप्लीकेशन कंपनी चला रहा हूं। वर्तमान में मेरी कंपनी में 12 लोग कार्यरत हैं। मैं 15 लाख रुपये वार्षिक कमा रहा हूं। मैं न केवल अपने भविष्य के लिए पैसा बचा रहा हूं बल्कि रोजगार सृजन में भी मदद कर रहा हूं। मैं एन.बी.सी.एफ.डी.सी. और जी.बी.सी.डी.सी. का तहे दिल से शुक्रिया अदा करता हूं।

गुजरात बैकवर्ड क्लासेज़ डेवलपमेंट कॉरपोरेशन

नाम	सुमित सोलंकी
योजना का नाम	शैक्षिक ऋण योजना
ऋण राशि	रू. 4,50,000/-
परियोजना	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग

मैं, सुमित सोलंकी पुत्र श्री भीखूभाई सोलंकी, निवासी ग्राम- मंगरोल, जिला- जूनागढ़, गुजरात का निवासी हूँ। मैं पिछड़े वर्ग की धोबी जाति से हूँ। मेरा परिवार एक गरीब परिवार था। मुझे इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग कोर्स के लिए चुना गया था लेकिन कमजोर आर्थिक स्थिति के कारण मैं प्रवेश नहीं ले सका। मुझे समाचार पत्र में एक विज्ञापन के माध्यम से शिक्षा ऋण योजना के बारे में पता चला। मैंने गुजरात पिछड़ा वर्ग विकास निगम (GBCDC) से संपर्क किया और मुझे पता चला कि वे NBCFDC की शिक्षा ऋण योजना को संचालित कर रहे हैं। इसके बाद मैंने जी.बी.सी.डी.सी. में शिक्षा ऋण के लिए आवेदन किया। मुझे इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी करने के लिए रू.4,50,000 की राशि दी गई थी।

अब मैं आदित्य बिड़ला ग्रुप कंपनी, वेरावल, जिला- गिर, सोमनाथ, गुजरात में कार्यरत हूँ। मेरा वर्तमान में समूह अभियंता पद पर तैनात हूँ। मैं हर महीने 38 हजार रुपये कमा रहा हूं। अब मैं समृद्ध हो रहा हूं और अब मैं भविष्य के लिए पैसे बचाने में सक्षम हूं। एन.बी.सी.एफ.डी.सी. और जी.बी.सी.डी.सी. द्वारा ऋण सहायात के लिए मैं वास्तव में आभारी हूं।

हरियाणा पिछड़ा वर्ग और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग कल्याण निगम (HBCKN)

के लाभार्थी की सफलता की कहानी

नाम	राजेश कुमार
योजना का नाम	सावधि ऋण
ऋण राशि	रू. 1,00,000/-
वितरण तिथि	03/04/2017
परियोजना	मोटर वर्कशाप

मैं राजेश कुमार पुत्र श्री मंगत राम, गाँव और पोस्ट-कंगनपुर रोड, भगत सिंह नगर, गली नंबर -3, सिरसा, हरियाणा से हूँ। मेरी उम्र 38 साल है और मैं पिछ्ड़ी जाति का हूँ। मैं अपना कुछ व्यवसाय करना चाहता था। मेरे लिए अपने काम से मासिक घरेलू खर्च को पूरा करना मुश्किल हो गया था।

HBCKN ने हमारे गाँव में NBCFDC योजनाओं का जागरूकता शिविर आयोजित किया जिसमें SCA के अधिकारियों द्वारा NBCFDC की ऋण योजनाओं की जानकारी दी गई। मैंने HBCKN के कार्यालय से संपर्क किया और NBCFDC के ऋण के लिए आवेदन किया और मुझे 03.04.2017 को रू.1,00,000 की राशि दी गई। उसके बाद मैंने अपनी खुद की मोटर वर्कशॉप शुरू की।

ऋण प्राप्त करने से पहले मेरी आय लगभग रू. 90,000/- प्रति वर्ष थी और अपनी वर्कशाप शुरू करने के बाद मेरी आय बढ़कर रू.1,30,000/- प्रति वर्ष हो गई। अब मैं अपने काम को भविष्य में विस्तार के लिए पैसे बचाने में सक्षम हूं। मैं और मेरा परिवार NBCFDC और HBCKN का बहुत आभारी हैं।

हरियाणा पिछड़ा वर्ग और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग कल्याण निगम (HBCKN)

के लाभार्थी की सफलता की कहानी

नाम	श्री कृष्ण
योजना का नाम	सावधि ऋण
ऋण राशि	रू. 1,00,000/-
वितरण तिथि	03/01/2019
परियोजना	किराना शाप

मैं श्री कृष्ण पुत्र श्री धनी राम, ग्राम व पोस्ट-खेड़ी दमकल, गोहाना, जिला- सोनीपत, हरियाणा का रहने वाला हूँ। मैं पिछड़ी जाति का हूं और बेरोजगार था। मैं अपना कुछ व्यवसाय (किराना की दुकान) करना चाहता था। मैं कोई पैसा नहीं कमा रहा था और मेरे लिए मासिक घरेलू खर्च को पूरा करना मुश्किल हो गया था।

समाचार पत्र में एक विज्ञापन के माध्यम से मुझे NBCFDC की ऋण योजना के बारे में पता चला जिसे HBCKN द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है। NBCFDC योजना के तहत मैं ऋण लेना चाहता था और अपनी किराना दुकान शुरू करना चाहता था। इसलिए, मैंने HBCKN के कार्यालय से संपर्क किया और ऋण के लिए आवेदन किया और मुझे 03.01.2019 को रू. 1,00,000 की राशि दी गई। उसके बाद मैंने अपनी किराना दुकान शुरू की। जिसमें मेरा छोटा भाई भी साथ में कार्य करता है।

ऋण प्राप्त करने से पहले मेरी आय लगभग रू.78,000/- प्रति वर्ष थी और किराना शॉप शुरू करने के बाद आय बढ़कर रू.1,20,000/- प्रति वर्ष हो गई। अब मेरा परिवार आत्मनिर्भर है और मैं अब भविष्य के लिए पैसे बचाने में सक्षम हूं। मुझे यह वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए मैं और मेरा परिवार NBCFDC और HBCKN के बहुत आभारी हैं।

हरियाणा पिछड़ा वर्ग और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग कल्याण निगम (HBCKN)

के लाभार्थी की सफलता की कहानी

नाम	अमित आर्य
योजना का नाम	सावधि ऋण
ऋण राशि	रू. 1,00,000/-
वितरण तिथि	05/12/2019
परियोजना	फोटो कॉपी/प्रिंटिंग शाप

मैं अमित आर्य पुत्र श्री यशपाल आर्य, ग्राम माजरी, जिला-पंचकूला, हरियाणा का निवासी हूँ। मैं पिछड़ी जाति से ताल्लुक रखता हूं। मैं अपना खुद का कुछ व्यवसाय करना चाहता था और कोई पैसा नहीं कमा रहा था, मेरे लिए अपने मासिक घरेलू खर्च को पूरा करना मुश्किल हो गया था।

HBCKN ने हमारे गांव में जागरूकता शिविर का आयोजन किया है जिसमें एससीए के अधिकारियों द्वारा NBCFDC की ऋण योजनाओं की जानकारी दी गई। NBCFDC योजना के तहत, मैं ऋण लेना चाहता हूं और अपना व्यवसाय शुरू करना चाहता हूं। इसके बाद मैंने HBCKN के कार्यालय से संपर्क किया और ऋण के लिए आवेदन किया। मुझे अपनी फोटोकॉपी/मुद्रण की दुकान शुरू करने के लिए दिनांक 05.12.2019 को रू. 1,00,000 की राशि दी गई थी।

ऋण प्राप्त करने से पहले मेरी आय लगभग रु.1,00,000/- प्रति वर्ष थी और अब आय बढ़कर रू.1,50,000/- प्रति वर्ष हो गई। मेरा व्यवसाय अच्छा चल रहा है और अब मुझे भविष्य में अधिक आय की उम्मीद है। मैं और मेरा परिवार NBCFDC और HBCKN के बहुत आभारी हैं।

गुजरात गोपालक विकास निगम लिमिटेड के लाभार्थी की सफलता की कहानी

नाम	देसाई जगनेशभाई हेमराजभाई
योजना का नाम	शैक्षिक ऋण योजना
ऋण राशि	रू.1,00,000/-
परियोजना	एम.बी.ए.

मैं देसाई जिग्नेशभाई हेमराजभाई पुत्र देसाई हेमराजभाई गोकलभाई ग्राम व पोस्ट खोराज, राबड़ीवास, तहसील एवं जिला- गांधीनगर, गुजरात का रहने वाला हूँ। मैं एक मध्यम वर्गीय परिवार से ताल्लुक रखता हूं और पिछड़ी जाति से आता हूँ। मैंने अपना ग्रेजुएशन पूरा कर लिया था और मैं व्यवसाय प्रशासन (एम.बी.ए.) में मास्टर डिग्री करना चाहता था। मेरे परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण मैं एम.बी.ए. नहीं कर पाया।

मुझे एन.बी.सी.एफ.डी.सी. की शैक्षिक ऋण योजना के बारे में पता चला, जिसे गुजरात गोपालक विकास निगम लिमिटेड द्वारा क्रियान्वित किया जा रहा था। मुझे अपना एम.बी.ए. पूरा करने के लिए रू.1,00,000 का शिक्षा ऋण स्वीकृत किया गया था। एम.बी.ए. की पढ़ाई के दौरान मुझे टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टी.सी.एस.) में कैंपस प्लेसमेंट मिला। वर्तमान में मैं टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (TCS) में बिजनेस एसोसिएट के रूप में काम कर रहा हूं। अब मैं वार्षिक 2,52,000 रुपये कमा रहा हूं। मेरे सपनों को पंख देने के लिए मैं एन.बी.सी.एफ.डी.सी. और गुजरात गोपालक डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड का तहे दिल से धन्यवाद देता हूं।

ટાટા કન્સલટન્સી સર્વિસિસ
ગરિમા પાર્ક

गुजरात गोपालक विकास निगम लिमिटेड के लाभार्थी की सफलता की कहानी

नाम	राबड़ी गीताबेन जीथाबाई
योजना का नाम	**सावधि ऋण**
ऋण राशि	रू.2,00,000/-
वितरण तिथि	14/07/2016
परियोजना	किराना शॉप

मैं राबड़ी गीताबेन जेठाभाई पत्नी श्री रबारी जेठाबाई जीताभाई ग्राम व पोस्ट लिम्बोदरा, राबड़ीवास, तहसील- कालो, जिला- गांधीनगर, गुजरात से हूँ। मैं पिछड़ी जाति से ताल्लुक रखती हूं और बेरोजगार थी। मेरे पति की आय बहुत कम थी और मेरे लिए मासिक घरेलू खर्च को पूरा करना मुश्किल हो गया था। इसलिए मैं एक किराना दुकान का कुछ व्यवसाय करना चाहता थी और अपने परिवार की सहायता करना चाहती थी।

समाचार पत्र में एक विज्ञापन के माध्यम से मुझे एन.बी.सी.एफ.डी.सी. की ऋण योजना के बारे में पता चला, जिसे गुजरात गोपालक विकास निगम लिमिटेड द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है। मैं एन.बी.सी.एफ.डी.सी. की योजना के तहत ऋण लेना चाहती थी और अपनी किराना दुकान शुरू करना चाहती थी। मैंने गुजरात गोपालक विकास निगम लिमिटेड के कार्यालय से संपर्क किया और ऋण के लिए आवेदन किया और उनकी सभी औपचारिकताओं को पूरा किया। मुझे 14.07.2016 को रू.2,00,000 की राशि के लिए ऋण दिया गया था। उसके बाद मैंने अपनी किराना दुकान शुरू की। ऋण प्राप्त करने से पहले मेरी आय लगभग रू.36,000/- प्रति वर्ष थी और किराना शॉप शुरू करने के बाद आय पांच गुना बढ़कर रू.1,85,000/- प्रति वर्ष हो गई। अब मैं आर्थिक रूप से मजबूत हूं और अपने परिवार के भविष्य के लिए पैसे बचाने में सक्षम हूं।

मुझे आर्थिक रूप से निर्भर बनाने के लिए मैं एन.बी.सी.एफ.डी.सी. और गुजरात गोपालक डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड का तहे दिल से शुक्रिया अदा करता हूं।

हिमाचल पिछड़ा वर्ग वित्त एवं विकास निगम (HBCFDC) के लाभार्थी की सफलता की कहानी

नाम	साहिल मेहरा
योजना का नाम	सावधि ऋण
ऋण राशि	रू.4,00,000/-
वितरण तिथि	09/01/2017
परियोजना	रेडीमेड गारमेंट

मैं पिछड़ी जाति से संबंधित जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश से श्री साहिल मेहरा हूँ। मैं बेरोजगार था और मैं रेडीमेड गारमेंट्स की दुकान का व्यवसाय शुरू करना चाहता था। मेरी आमदनी बहुत कम थी और मेरे लिए अपने मासिक घरेलू खर्च को पूरा करना मुश्किल हो गया था।

मुझे अपने मित्र से NBCFDC की ऋण योजना के बारे में पता चला जो हिमाचल पिछड़ा वर्ग वित्त और विकास निगम (HBCFDC) द्वारा प्रदान की जा रही थी। NBCFDC योजना के तहत मैं ऋण लेना चाहता था और अपनी रेडीमेड गारमेंट्स की दुकान शुरू करना चाहता था। फिर मैंने HBCFDC के कार्यालय से संपर्क किया और ऋण के लिए आवेदन किया। मुझे 09.01.2017 को रू.4,00,000 की राशि दी गई थी। उसके बाद मैंने अपनी रेडीमेड गारमेंट्स की दुकान शुरू की।

रेडीमेड गारमेंट्स शॉप शुरू करने के बाद मेरी आमदनी लगभग रू.20,000/- प्रति माह है। मैंने अपने व्यवसाय का विस्तार किया है और अब मैं अपने भविष्य के लिए पैसे बचाने में सक्षम हूं। रियायती ऋण प्रदान करने के लिए मैं NBCFDC और HBCFDC को तहे दिल से धन्यवाद देता हूं।

हिमाचल पिछड़ा वर्ग वित्त एवं विकास निगम (HBCFDC) के लाभार्थी की सफलता की कहानी

नाम	रवि कुमार
योजना का नाम	सावधि ऋण
ऋण राशि	रू. 5,70,000/-
वितरण तिथि	04/10/2016
परियोजना	टैक्सी

मैं ग्राम व पोस्ट-मंझियार, तहसील-शाहपुर, जिला- कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश से रवि कुमार हूं। मैं पिछड़ी जाति से संबंधित हूं। मैं एक निजी वाहन चालक था और प्रति माह रू.5,000/- कमाता था। इतनी कम आय के कारण मुझे अपने मासिक खर्चों को पूरा करना मुश्किल हो रहा था। मैं अपना वाहन भी नहीं खरीद सका।

अखबार में एक विज्ञापन के माध्यम से मुझे एन.बी.सी.एफ.डी.सी. की ऋण योजना के बारे में पता चला, जिसे हिमाचल पिछड़ा वर्ग वित्त और विकास निगम (एच.बी.सी.एफ.डी.सी.) द्वारा क्रियान्वित किया जा रहा है। एन.बी.सी.एफ.डी.सी. योजना के तहत मैं ऋण लेना चाहता था और अपना वाहन खरीदना चाहता था। फिर मैंने एच.बी.सी.एफ.डी.सी. के कार्यालय से संपर्क किया और ऋण के लिए आवेदन किया। मुझे 04.10.2016 को रू.5,70,000 की राशि दी गई थी। फिर मैंने अपना वाहन खरीदा।

ऋण प्राप्त करने से पहले मेरी आय लगभग रू.5,000/- प्रति माह थी और ऋण प्राप्त करने के बाद मेरी आय चार-पांच गुना बढ़कर रू.20,000-25,000/- प्रति माह हो गई। मेरी आय में काफी वृद्धि हुई है और अब मैं दूसरा वाहन खरीदने के लिए भी पैसे बचा सकता हूं। मुझे आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए मैं एन.बी.सी.एफ.डी.सी. और एच.बी.सी.एफ.डी.सी. का तहे दिल से शुक्रिया अदा करता हूं।

हिमाचल पिछड़ा वर्ग वित्त एवं विकास निगम (HBCFDC) के लाभार्थी की सफलता की कहानी

नाम	**डॉ. राहुल धीमान**
योजना का नाम	**शिक्षा ऋण योजना**
ऋण राशि	**रू. 10,00,000/-**
परियोजना	**एम.बी.बी.एस.**

मैं डॉ राहुल धीमान पुत्र श्री प्रदीप धीमान निवासी गांव फलवाड़ा, पीओ करोआ, तहसील देहरा, जिला- कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश का रहने वाला हूं। मैं पिछड़े वर्ग की तारखान जाति से ताल्लुक रखता हूं। मैंने एम.बी.बी.एस. कोर्स के लिए चयन किया लेकिन मेरे परिवार की कमजोर आर्थिक स्थिति के कारण मैं प्रवेश नहीं ले सका।

अख़बार में एक विज्ञापन के माध्यम से मुझे एन.बी.सी.एफ.डी.सी. की ऋण योजना के बारे में मालूम पड़ा जिसे हिमाचल पिछड़ा वर्ग वित्त और विकास निगम (एच.बी.सी.एफ.डी.सी.) द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है। मैं अपनी पढ़ाई के लिए एन.बी.सी.एफ.डी.सी. की शिक्षा ऋण योजना के तहत ऋण लेना चाहता था। फिर मैंने एच.बी.सी.एफ.डी.सी. के कार्यालय से संपर्क किया और ऋण के लिए आवेदन किया। मुझे एम.बी.बी.एस. पूरा करने के लिए रू.10,00,000 की राशि का ऋण दिया गया था।

अब मैं पी.एच.सी. कटगाँव, जिला किन्नौर, हिमाचल प्रदेश में एक चिकित्सा अधिकारी के रूप में कार्यरत हूँ। मैं रू.60,000/- प्रति माह कमा रहा हूँ।

कठिन समय में मेरा साथ देने और मुझे आर्थिक रूप से सुरक्षित और समृद्ध जीवन के लिए सक्षम बनाने के लिए मैं एन.बी.सी.एफ.डी.सी. और एच.बी.सी.एफ.डी.सी. को तहे दिल से धन्यवाद देता हूं।

हिमाचल पिछड़ा वर्ग वित्त एवं विकास निगम (HBCFDC) के लाभार्थी की सफलता की कहानी

नाम	सौरव चौधरी
योजना का नाम	शिक्षा ऋण योजना
ऋण राशि	रू. 10,00,000/-
परियोजना	बी.टेक

मैं सौरव चौधरी पुत्र श्री देश राज, निवासी अब्दुलपुर, पी.ओ. जमानाबाद, तहसील व जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश से हूं। मैं घिराथ पिछड़ा वर्ग से हूं। मेरा परिवार एक गरीब परिवार था। मैंने बी.टेक पाठ्यक्रम के लिए चयन किया लेकिन कमजोर वित्तीय स्थिति के कारण मैं प्रवेश नहीं ले सका।

समाचार पत्र में एक विज्ञापन के माध्यम से मुझे एन.बी.सी.एफ.डी.सी. की ऋण योजना के बारे में पता चला जिसे हिमाचल पिछड़ा वर्ग वित्त और विकास निगम (एच.बी.सी.एफ.डी.सी.) द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है। एन.बी.सी.एफ.डी.सी. की शिक्षा ऋण योजना के तहत मैं अपने अध्ययन के लिए ऋण लेना चाहता था। फिर मैंने एच.बी.सी.एफ.डी.सी. के कार्यालय से संपर्क किया और ऋण के लिए आवेदन किया। मुझे अपना बी.टेक कोर्स पूरा करने के लिए रू.2,00,000 की राशि दी गई थी। अब मैं एक कनिष्ठ अभियंता हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड (एचपीएसईबीएल), कांगड़ा हिमाचल प्रदेश के रूप में कार्यरत हूं।

मैं अपनी पढ़ाई पूरी करने के लिए रियायती वित्त के तहत ऋण प्रदान करने के लिए एन.बी.सी.एफ.डी.सी. और एच.बी.सी.एफ.डी.सी. को तहे दिल से धन्यवाद देता हूं।

जम्मू-कश्मीर महिला विकास निगम (JKWDC) के स्व-सहायता समूह की सफलता की कहानी

नाम	नालंदा स्व-सहायता समूह
योजना का नाम	सूक्ष्म वित्त योजना
ऋण राशि	रू. 3,00,000/-
परियोजना	जूट के सामान

जम्मू-कश्मीर महिला विकास निगम (**JKWDC**) ने उधमपुर जिले की हाउसिंग कॉलोनी में एक कौशल विकास कार्यक्रम का आयोजन किया। जूट के प्रसाद के थैले और जूट की अन्य वस्तुओं को बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। फिर हमने स्वयं सहायता समूह तैयार किया और मैं शांता समूह का लीडर बन गयी और समूह को "नालंदा एसएचजी" नाम दिया गया। हमने रू.3.00 लाख की राशि का लाभ उठाया। हम श्री वैष्णो माता देवी श्राइन बोर्ड (SMVDSB) से जूट के प्रसाद बैग बना रहे हैं। हम अन्य फैंसी बैग फोल्डर आदि भी बना रहे हैं। हमारे बैग को आसपास के लोग अच्छी तरह से जानते हैं। हमें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए हम NBCFDC और J&KWDC को तहे दिल से धन्यवाद देते हैं।

जम्मू-कश्मीर महिला विकास निगम (JKWDC) के लाभार्थी की सफलता की कहानी

नाम	मानवी वर्मा
योजना का नाम	सावधि ऋण
ऋण राशि	रू. 3,00,000/-
परियोजना	इलेक्ट्रानिक सामान

एक दिन मैंने टेलीविज़न न्यूज़ चैनल पर एक कार्यक्रम देखा जो अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के संबंध में J&KWDC द्वारा आयोजित किया गया था। मैं J&KWDC के जिला कार्यालय गई और ऋण के लिए आवेदन किया। कर्मचारियों ने ऋण और भुगतान की जाने वाली किश्तों के बारे में विस्तार से बताया। J&KWDC के कर्मचारियों ने मुझे प्रोत्साहित किया। मैंने इलेक्ट्रॉनिक्स प्रोडक्ट की दुकान शुरू करने के लिए एन.बी.सी.एफ.डी.सी. की योजना के तहत रू.3.00 लाख का ऋण लिया। मुझे आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए मैं जम्मू-कश्मीर J&KWDC और एन.बी.सी.एफ.डी.सी. की आभारी हूं।

जम्मू-कश्मीर महिला विकास निगम (JKWDC) के लाभार्थी की सफलता की कहानी

नाम	हजारा बानो
योजना का नाम	सावधि ऋण
ऋण राशि	रू. 2,00,000/-
परियोजना	निटिंग वर्क

जम्मू-कश्मीर महिला विकास निगम (**JKWDC**) ने हमारे क्षेत्र में एक जागरूकता शिविर का आयोजन किया। मैंने उस कार्यक्रम में भी भाग लिया जिसमें महिलाओं के लिए एन.बी.सी.एफ.डी.सी. की विभिन्न योजनाओं के बारे में महिलाओं में जागरूकता पैदा की गई थी। मैंने उनकी योजना का लाभ उठाने का फैसला किया। मैंने रू.2.00 लाख के ऋण के लिए आवेदन किया था जो मुझे मंजूर हो गया था। मैंने मशीनरी आदि और कच्चा माल खरीदा और बुनाई का काम शुरू किया। मैंने अपनी यूनिट में 5 लड़कियों को काम पर रखा है और मैं अपना ऋण समय पर चुका रहा हूं। मैं J&KWDC और NBCFDC का भी आभारी हूं।

डी देवराज अर्स पिछड़ा वर्ग विकास निगम के लाभार्थी की सफलता की कहानी

नाम	वनेन्द्र यादव
योजना का नाम	शैक्षिक ऋण योजना
ऋण राशि	रू. 3,04,325/-

मैं वनेंद्र यादव पुत्र श्री के.वी. सिद्दप्पा, ग्राम- केंचैयानाडोड्डी व पोस्ट कोल्लेगल तालुक चामराजनगर पिछड़ा वर्ग समुदाय से संबंधित हूं। डी-फॉर्मा (डॉक्टर ऑफ फार्मेसी) के बाद मैं आगे की पढ़ाई के लिए तैयार था किन्तु मेरे परिवार के सम्मुख वित्तीय समस्याओं थी। मैं किसी भी तरह से आगे पढ़ नहीं सकता था तब मुझे एन.बी.सी.एफ.डी.सी. की शैक्षिक ऋण योजना का पता चला, जिसे डी.देवराज उर्स पिछड़ा वर्ग विकास निगम लिमिटेड द्वारा संचालित किया जा रहा है, जिसने मुझे भारती कोलाज ऑफ फार्मेसी, के.एम. डोड्डी, जिला-मांड्या में प्रवेश हेतु रू.3,04,325/- का शिक्षा ऋण स्वीकृत करके मदद की। अब मैं वर्तमान में शारदा विलास कोलाज मैसूर जिले में सहायक प्रोफेसर के रूप में कार्यरत हूं। मुझे अध्ययन के लिए अरिवु शिक्षा ऋण प्रदान करने के लिए मैं एन.बी.सी.एफ.डी.सी. और डी.देवराज उर्स पिछड़ा वर्ग विकास निगम लिमिटेड को तहे दिल से धन्यवाद देता हूं।

असम एपेक्स वीवर्स एंड आर्टिजन्स कोऑपरेटिव फेडरेशन लिमिटेड (ARTFED) के लाभार्थी की सफलता की कहानी

नाम	नमिता तालुकदार
योजना का नाम	महिला समृद्धि योजना
ऋण राशि	रू. 95,000/-
वितरण तिथि	05.01.2020
परियोजना	हथकरघा

मैं, नमिता तालुकदार पत्नी श्री पराग तालुकदार, ग्राम व पोस्ट-जियाकुर, पुलिस स्टेशन-छईगांव, जिला-कामरूप, असम से हूँ। मैं एक बुनकर हूं और पिछड़ी जाति से हूं। करघा कार्य मेरी पारंपरिक गतिविधि है। यह काम मैंने शादी से पहले ही घर पर ही सीख लिया था। मेरे पति भी बुनकर हैं। हम पैसे कमाने की स्थिति में नहीं थे और हमारे लिए मासिक घरेलू खर्च को पूरा करना मुश्किल हो गया था।

ARTFED ने हमारे गाँव में एक जागरूकता शिविर का आयोजन किया है जिसमें SCA के अधिकारियों द्वारा राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग वित्त एवं विकास निगम (NBCFDC) की ऋण योजनाओं की जानकारी दी गई। एन.बी.सी.एफ.डी.सी. की 'महिला समृद्धि योजना' के तहत, मैं घर से अपना काम शुरू करने के लिए ऋण लेकर एक हथकरघा खरीदना चाहती थी। मैंने आर्टफेड के कार्यालय से संपर्क किया और NBCFDC की 'महिला समृद्धि योजना' के तहत ऋण के लिए आवेदन किया और मुझे रू.1.00 लाख की परियोजना लागत के सापेक्ष दिनाँक 05.01.2020 को रू.95,000/- का ऋण प्रदान किया गया। उसके बाद मैंने अपना करघा खरीदा और अपने घर से उस पर काम करना शुरू कर दिया और हमारा काम शुरू हो गया।

ऋण प्राप्त करने से पहले हमारी आय लगभग रु. 12,000/- प्रति माह थी। करघे पर काम शुरू करने के बाद, मेरी आय दोगुनी होकर लगभग रू. 24,000/- प्रति माह हो गई। हमें ARTFED यार्न बैंक से 30% छूट पर यार्न भी मिल रहा है और लगभग 80 प्रतिशत उत्पाद ARTFED द्वारा अच्छी कीमत पर खरीदे जाते हैं। हम अधिक लाभ कमाते हैं। अब हम समृद्ध हो रहे हैं और अब मैं भविष्य के लिए पैसे बचाने में सक्षम हूं।

मैं और मेरा परिवार एन.बी.सी.एफ.डी.सी. और आर्टफेड के प्रति बहुत आभारी हैं।

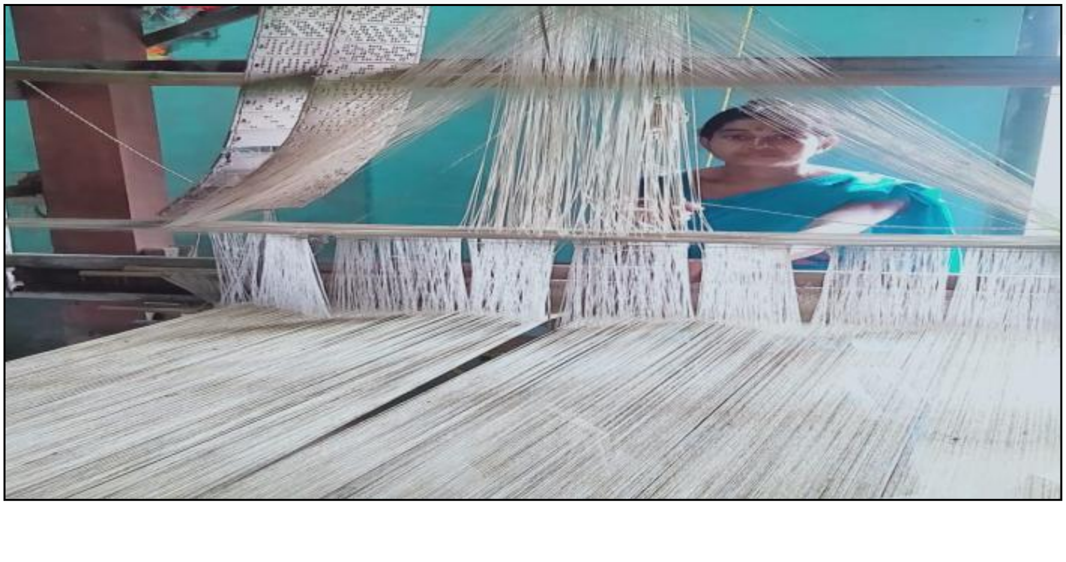

तकनीकी उन्नयन योजना

लाभार्थी का नामः ऊषा देवी

मोबाइल नं. : 8486987559

उद्यम का नामः अभी तक नाम नहीं दिया गया है.

नियोजित कर्मचारियों की संख्या : स्वयं

ऊषा देवी मूल रूप से मोरीगाँव जिले के राजमायोंग की रहने वाली हैं, मोरीगाँव जिला भारत में असम राज्य का एक प्रशासनिक जिला है। जिला मुख्यालय मोरीगांव में स्थित है। प्राचीन स्थान मयांग के साथ-साथ इस जिले में पोबितोरा वन्यजीव अभयारण्य स्थित है। यह जिला उत्तर में शक्तिशाली ब्रह्मपुत्र, दक्षिण में कार्बी आंगलोंग, पूर्व में नागांव और पश्चिम में कामरूप जिले से घिरा है। जिले का बड़ा हिस्सा एक जलोढ़ मैदान है, जो कई नदियों और जलमार्गों से घिरा हुआ है और कई बीलों और दलदलों से युक्त है। शक्तिशाली ब्रह्मपुत्र जिले की उत्तरी सीमा के साथ बहती है।

क्लस्टर विकास की एक परियोजना के दौरान उन्हें लाभार्थी के रूप में नामांकित किया गया था, जिसे राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग वित्त एवं विकास निगम द्वारा इसकी कार्यान्वयन एजेंसी के साथ भारतीय उद्यमिता संस्थान के रूप में शुरू किया गया था। एन.बी.सी.एफ.डी.सी. ने आई.आई.ई. के साथ इसकी कार्यान्वयन एजेंसी के रूप में क्लस्टरों की प्रौद्योगिकी उन्नयन योजना के तहत पूरे भारत में 9 क्लस्टर के विकास की शुरुआत की। असम में मोरीगांव, धेमाजी और शिवसागर जिले में तीन समूहों का चयन किया गया था। लाभार्थी को मोबलाइज़ करना काफी चुनौतीपूर्ण था क्योंकि वे अपने सुविधा क्षेत्र के भीतर एक पारंपरिक प्रणाली में काम कर रहे थे। लाभार्थी में उद्यमी मानसिकता का अभाव था क्योंकि वे उत्पाद को केवल अपने निजी उपयोग के लिए तैयार कर रहे थे न कि बाजार में बेचने के लिए। लाभार्थी को पहले कौशल विकास कार्यक्रम के लिए नामांकित किया जाता है, जहां सुश्री ऊषा देवी ने नए कौशल सीखने के साथ-साथ यह जानने के लिए अपनी अत्यधिक रुचि दिखाई कि वास्तव में उद्यमिता का अर्थ क्या है। यहीं पर प्रशिक्षण के दौरान अपना उद्यम शुरू करने के लिए उनके उत्साह और प्रेरणा को बढ़ाया गया था। कौशल विकास कार्यक्रम के पूरा होने के बाद, उन्हें जेकक्कार्ड वीवर लूम, एक्सेसरीज़, यार्न की पेशकश की गई। उन्होंने जैक्कार्ड पर काम करना शुरू किया और कम समय में अच्छी संख्या में हथकरघा उत्पाद बुनने में सफल रही। वह अब बहुत समय बचा रही है क्योंकि परंपरागत बुनाई में एक पारंपरिक गमोसा तैयार करने में लगभग 10 से 11 दिन लगते हैं, लेकिन अब जेकक्कार्ड के उपयोग के कारण वह अधिकतम 2 से 3 दिनों में एक गमोसा को तैयार कर सकती है। शुरुआत में वह मेखला चादर, गामोसा जैसे उत्पाद बना रही हैं। उन्हें अब अपने इलाके में अच्छी संख्या में ऑर्डर मिल रहे हैं और कमाई भी रू.2000 से बढ़कर रू.9000 प्रति माह हो गई है। वह अपने पति और परिवार से मिल रहे साझा सहयोग से भी खुश हैं।
जैसा कि मौजूदा महामारी की स्थिति के कारण, उसके लिए एक व्यावसायिक स्थान पर अपना उद्यम शुरू करना संभव नहीं है। एक वाणिज्यिक स्थान प्राप्त करने के लिए बहुत अधिक निवेश की आवश्यकता होती है, जिससे निश्चित पूंजी में उच्च निवेश होता है। इसलिए, उन्होंने मासिक आधार पर स्थानीय रूप से मांग के आधार पर ग्राहकों की आवश्यकताओं को पूरा करते हुए अपने घर से अपना उद्यम शुरू किया है।

मेरी हाल की यात्रा के दौरान लाभार्थी सुश्री ऊषा देवी ने कहा, "अमर अगर उपरजन अकोल खेती बाटी पोरा असिल, किंटू एतिया अमी तत ज़ाल पोरा उपर्जन बोरहा बोलोई सख्यम होइसु। धन्याबाद थाकिल आई.आई.ई. और एन.बी.सी.एफ.डी.सी. लोई।"

टीम आई.आई.ई. हर संभव तरीके से उनकी सहायता करने के लिए हमेशा तैयार है और उनकी उद्यमशीलता यात्रा में उनके अच्छे भाग्य और शुभकामनाओं की कामना करती है।

तकनीकी उन्नयन योजना

लाभार्थी का नाम: रिन्कू देवी

मोबाइल नं.: 6003878305

उद्यम का नाम: अभी तक नाम नहीं दिया गया है.

इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप कहां से शुरू करते हैं, यह मायने रखता है कि आप कहां खत्म करते हैं। महिलाओं को किसी परिचय की आवश्यकता नहीं होती है। उनका काम उनके लिए बोलता है। मोरीगांव जिले के राजामायोंग की एक अन्य महिला उद्यमी रिंकू देवी हैं। मोरीगांव जिला भारत में असम राज्य का एक प्रशासनिक जिला है। जिला मुख्यालय मोरीगांव में स्थित है। प्राचीन स्थान मयांग के साथ-साथ इस जिले में पोबितोरा वन्यजीव अभयारण्य स्थित है। यह जिला उत्तर में शक्तिशाली ब्रह्मपुत्र, दक्षिण में कार्बी आंगलोंग, पूर्व में नागांव और पश्चिम में कामरूप जिले से घिरा है। जिले का बड़ा हिस्सा एक जलोढ़ मैदान है, जो कई नदियों और जलमार्गों से घिरा हुआ है और कई बीलों और दलदलों से युक्त है। शक्तिशाली ब्रह्मपुत्र जिले की उत्तरी सीमा के साथ बहती है।

उसने अपनी प्राथमिक स्कूली शिक्षा पूरी की है और व्यक्तिगत रूप से अपने पति के साथ आलू की खेती और अन्य कृषि और संबद्ध गतिविधियों जैसी कुछ न्यूनतम आय सृजन गतिविधियों में शामिल है और पूरे परिवार के लिए रू. 4000-5000 की मासिक आय अर्जित करती थीं। 31 वर्षीया कहती हैं, "वह और उनके पति परिवार की जरूरतों और खर्चों को पूरा करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।'' चूंकि खेती ही उनकी आजीविका का एकमात्र साधन है और समकालीन समय में अपनी दैनिक जरूरतों को पूरा करना बहुत चुनौतीपूर्ण हो गया है, क्योंकि उन्हें अपने परिवार को चलाने के लिए प्रति माह रू.8000 से 10000 की आवश्यकता होती है। उसने यह भी बताया कि खेत में काम करने से घर और बच्चों का प्रबंधन करना मुश्किल था। उन्हें पारंपरिक करघा बुनाई में उनकी मां द्वारा थोड़ा सा प्रशिक्षित किया गया था। अपने छोटे से खर्च को पूरा करने के लिए, उसने पड़ोसियों के लिए मेखला चादर बुनना शुरू कर दिया और कुछ पैसे कमाना शुरू कर दिया लेकिन इससे अच्छी आय नहीं हो रही थी। बुनाई उनके खून में बहती है क्योंकि वे असम के ग्रामीण इलाकों से संबंधित हैं जहां असमिया महिलाएं अपने करघे पर सपने बुनती हैं जैसा कि महात्मा गांधी ने एक बार कहा था।

उनके जीवन में एक महत्वपूर्ण मोड़ आया जब उन्होंने क्लस्टर डेवलपमेंट की परियोजना में प्रवेश लिया, जिसे राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग वित्त एवं विकास निगम ने अपनी कार्यान्वयन एजेंसी इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप के साथ शुरू किया था। कौशल विकास कार्यक्रम के पूरा होने के बाद, एन.बी.सी.एफ.डी.सी. ने लाभार्थी को जेकक्वार्ड लूम, एक्सेसरीज़ और यार्न के साथ प्रौद्योगिकी उन्नयन योजना की पेशकश की। शुरुआत में वह नई तकनीक का उपयोग उत्पादक तरीके से नहीं कर पा रही थी क्योंकि उसे पारंपरिक बुनाई का प्रशिक्षण दिया गया था। लेकिन वह अपने और अपने परिवार के लिए बेहतर आजीविका जुटाने के लिए जेकक्वार्ड का उपयोग करने के महत्व और लाभ को समझती थी। प्रारंभिक अवस्था में वह केवल घरेलू उपयोग के लिए उत्पाद बनाने में लगी हुई थी। लेकिन अब कम समय लगने के कारण थोक ऑर्डर प्राप्त कर बिना किसी बाधा के दूसरे क्षेत्र में बेचने में सक्षम है। अब एक दिन वह अपने व्यवसाय से रू.5000-6000 प्रति माह कमा पा रही है।

हमारी हाल की यात्रा के दौरान लाभार्थी से मिलने पर सुश्री रिंकू देवी ने कहा, "अमर अगर उपरजन अकोल खेती बाटी पोरा असिल, किंटू एतिया अमी तत ज़ाल पोरा उपर्जन बोरहा बोलोई सख्यम होइसु। धन्याबाद थाकिल आई.आई.ई. और एन.बी.सी.एफ.डी.सी. लोई।"

टीम आई.आई.ई. हमेशा हर संभव तरीके से उनकी सहायता करने के लिए तैयार है और उनकी उद्यमशीलता यात्रा में उनके अच्छे भविष्य के लिए शुभकामनाएं प्रेषित करती है।

तकनीकी उन्नयन योजना

राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग वित्त एवं विकास निगम, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अनंतनाग जिले में पिछड़ा वर्ग एवं आर्थिक रूप से पिछड़ा वर्ग श्रेणी के अंतर्गत आने वाले कारीगरों की प्रौद्योगिकी उन्नयन योजना के तहत माइक्रो कार्पेट क्लस्टर की एक परियोजना को मंजूरी दी गई थी। परियोजना का प्राथमिक फोकस लक्षित समूह को आवश्यक ढांचागत/हैंडहोल्डिंग सहायता प्रदान करना था ताकि उन्हें शोषकों/बिचौलियों के चंगुल से मुक्त किया जा सके जिससे उनका सामाजिक-आर्थिक उत्थान सुनिश्चित हो सके।

परियोजना को कौशल उन्नयन, क्षमता निर्माण सह उद्यमिता विकास कार्यक्रम के साथ शुरू किया गया था, जो संबंधित कारीगरों को कच्चे माल, कालीन डिजाइनिंग, रंगाई प्रौद्योगिकी और कालीन डिजाइनिंग जैसे कालीन निर्माण के सभी पहलुओं पर आवश्यक ज्ञान / अभिविन्यास प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। उद्यमिता विकास के अतिरिक्त स्वयं सहायता समूह/संघ/क्लस्टर आदि कारीगरों को एन.बी.सी.एफ.डी.सी. और अन्य मंत्रालयों की योजनाओं से अवगत कराया गया।

प्रशिक्षण पूरा होने के बाद, जम्मू-कश्मीर सरकार के हस्तशिल्प और हथकरघा विभाग के साथ पंजीकृत 20 कालीन बुनकरों के इस समूह को जिसमें सभी महिला कारीगर है, को आधुनिक कालीन करघा, बैठने की बेंच, कच्चा माल, काम करने के उपकरण के साथ-साथ अन्य संबंधित के संबंध में आवश्यक बुनियादी ढाँचा- एक्सेसरीज/आइटम प्रदान किया गया। इसके अलावा, इस समूह ने 1999 के जम्मू एवं कश्मीर आत्मनिर्भर सहकारी अधिनियम के तहत एक औद्योगिक सहकारी समिति बनाई है और सहकारी समितियों के रजिस्ट्रार के साथ पंजीकृत है।
यहां यह उल्लेख करना उचित है कि, कालीन उद्योग का कामकाजी मॉड्यूल ऐसा था कि करघे, कच्चा माल, डिजाइन, उपकरण के साथ-साथ व्यापारियों / बिचौलियों द्वारा बुनकरों को कुछ अग्रिम भुगतान किया जाता था और वे अपनी शर्तों पर नौकरी के आधार पर उनसे लेते थे। इस प्रणाली के कारण, कारीगरों का शोषण किया जाता था और उनकी मेहनत के अनुपात में ज्यादा कमाई नहीं होती थी और इस तरह वे इस तरह की कार्यशैली से असंतुष्ट महसूस करते थे। हालांकि, वे कई पारिवारिक/आर्थिक मजबूरियों के कारण ऐसी व्यवस्था में काम करना जारी रखते हैं।
तथापि, इस योजना की शुरूआत के साथ, इन कलाकारों के लिए आशा की एक नई खिड़की खोली गई है और वे अपने उत्पादों के मालिक बन गए हैं, जिससे उन्हें अपने कालीनों को उनके स्वयं के नियमों और शर्तों पर बेचने का एक बहुप्रतीक्षित अवसर प्रदान किया गया है, जिससे उनकी आय बढ़ने की उम्मीद है।

समूह ने अभी-अभी 08 रेशमी कालीनों का निर्माण पूरा किया है और उन्हें एक अच्छा स्थानीय खरीदार भी मिला है और उन्होंने पिछले 6 महीनों के दौरान लगभग रू.3.80 लाख कमाए हैं।